



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब के सरो	6.12.22	५	७-८

मृदा स्वास्थ्य अत्यंत महत्वपूर्ण, जांच अवश्य करवाएँ: डा. शर्मा

हिसार, ५ दिसम्बर (अंगूही): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में विश्व मृदा स्वास्थ्य दिवस के उपलक्ष्य में 'मृदा: खाद्य उत्पत्ति का स्वातंत्र्य' विषय पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के अनुबंधान निदेशक डॉ. जीत राम शर्मा मुख्य अतिथि के तानां एवं वैज्ञानिकों के साथ।



उन्होंने आपने संबोधन में कहा कि फसल उत्पादन के लिए स्वस्थ मृदा का होना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि किसान कई बार अपने खेतों में पौधों में आवश्यक पोषक तत्वों की पूर्ति न कर पाने के कारण बेहतर उत्पादन हासिल नहीं कर पाते। इसलिए उन्हें समय-समय पर अपने खेत की भिट्टी की जांच अवश्य करवानी चाहिए।

यदि भिट्टी में किसी तत्व की कमी हो तो उसकी पूर्ति उत्तरकों के साथ-साथ देसी खादों द्वारा की जानी चाहिए। उन्होंने कहा यह चिंता का विषय है कि विश्व की 33 प्रतिशत मृदा का स्तर अच्छा नहीं है।

उन्होंने फसल विविधकरण अपनाने व संतुलित रासायनिक खाद के प्रयोग पर जोर दिया। रासायनिक द्वारा मृदा प्रदुषण के दुष्परिणामों पर जोर दिया एवं मृदा स्वास्थ्य प्रबंधन व संतुलित पोषण प्रबंधन को इसका एक अनुक्रम बताया। उन्होंने किसानों को संबोधित करते हुए पराली जलाने एवं असंतुलित मृदा पोषण से होने वाले नुकसानों के बारे में जागरूक किया।

मृदा विज्ञान विभाग के अध्यक्ष डॉ. मनोज शर्मा ने बताया कि विश्व मृदा दिवस के उपलक्ष्य में बाद-विवाद प्रतिवेशिता का भी आयोजन किया गया, जिसमें मृदा विज्ञान विभाग की रूपणिखा, कृषानु एवं मुस्कान ने प्रयोग, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त किया। इस अवसर पर मृदा विज्ञान विभाग के वैज्ञानिक व किसान उपस्थित थे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अभ्युक्ताता	६.१२.२२	२	७-८

चिंता : विश्व की 33 फीसदी मृदा का स्तर अच्छा नहीं



एचएयू में मृदा दिवस मनाते हुए अधिकारी व प्रतिभागी।

लक्ष्मण

माई सिटी रिपोर्टर

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (एचएयू) में विश्व मृदा स्थान्त्रिक दिवस के उपलक्ष्य में 'मृदा: खाद्य उत्पादन का लोत' विषय पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि अनुसंधान निदेशक डॉ. जीत राम शर्मा ने कहा यह चिंता का विषय है कि विश्व की 33 प्रतिशत मृदा का स्तर अच्छा नहीं है।

उन्होंने कहा कि किसान कई बार अपने खेतों में पौधों में आवश्यक पोषक तत्वों की पूर्ति न कर पाने के कारण बेहतर उत्पादन हासिल नहीं कर पाते। इसलिए उन्हें समय-समय पर अपने खेत की मिट्टी की जांच अवश्य करवानी चाहिए। यदि मिट्टी में किसी तत्व की कमी हो तो उसकी पूर्ति उत्पादकों के साथ-साथ देसी खाद्यों द्वारा की जानी चाहिए। उन्होंने फसल विधीकरण अपनाने व संतुलित

विश्व मृदा दिवस के उपलक्ष्य में

'मृदा: खाद्य उत्पादन का लोत'

विषय पर कार्यक्रम आयोजित

रसायनिक खाद के प्रयोग पर जोर दिया। हर साल 5 दिसंबर को खाद्य एवं कृषि संगठन द्वारा विश्व मृदा दिवस बढ़ती जनसंख्या की वजह से मिट्टी के कटाव को कम करने की दिशा में काम करने, लोगों को उपजाऊ मिट्टी के बारे में जागरूक करने व संसाधन के रूप में मिट्टी के स्थायी प्रबंधन की व्यवस्था को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से मनाया जाता है।

विश्व मृदा दिवस के उपलक्ष्य में बाद-विबाद प्रतियोगिता में मृदा विज्ञान विभाग की रूपशिखा प्रथम, कृषनु द्वितीय, मुस्कान तृतीय रही। इस भौके पर कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एसके पाठुजा, अध्यक्ष डॉ. बनोज शर्मा, डॉ. अशोक गोदारा, डॉ. एसके शर्मा मौजूद रहे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दृष्टि भूमि	६.१२.२२	१०	३-६

विश्व मृदा दिवस पर खाद्य उत्पत्ति का स्रोत विषय पर कार्यक्रम मृदा स्वास्थ्य महत्वपूर्ण, जांच अवश्य करवाएं

हरिभूगि न्यूज अडिसार

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में विश्व मृदा स्वास्थ्य दिवस के उपलक्ष्य में मृदा: खाद्य उत्पत्ति का स्रोत विषय पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के अनुसंधान निदेशक डॉ. जीत राम शर्मा मुख्य अतिथि थे। उन्होंने कहा कि फसल उत्पादन के लिए स्वस्थ मृदा का होना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि किसान कई बार अपने खेतों में पौधों में आवश्यक पोषक तत्वों की पूर्ति न कर पाने के कारण बेहतर उत्पादन हासिल नहीं कर पाते। इसलिए उन्हें समय-समय पर अपने खेत की मिट्टी की जांच अवश्य करवानी चाहिए। यदि मिट्टी में किसी तत्व की कमी हो



हिसार। मुख्य अतिथि किसानों एवं वैज्ञानिकों के साथ।

फोटो: हरिभूगि

तो उसकी पूर्ति उर्वरकों के साथ-साथ देसी खाद्यों द्वारा की जानी चाहिए। उन्होंने कहा

यह चिंता का विषय है कि विश्व की 33 प्रतिशत मृदा का स्तर अच्छा नहीं है। उन्होंने

फसल-विविधिकरण अपनाने व संतुलित रासायनिक खाद के प्रयोग पर जोर दिया। रासायनिक द्वारा मृदा प्रदूषण के दुष्परिणामों पर जोर दिया एवं मृदा स्वास्थ्य प्रबंधन व संतुलित पोषण प्रबंधन को इसका एक अचुक इलाज बताया। उन्होंने पराली जलाने एवं असंतुलित मृदा पोषण से होने वाले नुकसानों की जानकारी दी। डॉ. एस.के. पाठुजा ने विश्व मृदा दिवस को सराहा। डॉ. मनोज शर्मा ने सभी को स्वागत किया एवं सवाना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी, प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान के सम्बन्ध निदेशक डॉ. अशोक गोदारा ने धन्यवाद प्रस्ताव जापित किया। मंच का संचालन डॉ. एस.के. शर्मा ने किया। मंच का संचालन डॉ. एस.के. शर्मा ने किया। बाद-विवाद प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

सम्पर्क पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
३१ नं॑ भा॒५५२	६.१२.२२	२	५-६



मृदा स्वास्थ्य अत्यंत महत्वपूर्ण जांच अवश्य कराएँ: डॉ. जीतराम

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में विश्व मृदा स्वास्थ्य दिवस के उपलक्ष्य में 'मृदा: स्वादा उत्पत्ति का स्कोट' विषय पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के अनुसंधान निदेशक डॉ. जीत राम शर्मा मुख्य अतिथि थे। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि फसल उत्पादन के लिए स्वस्थ मृदा का होना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि किसान कई बार अपने खेतों में पौधों में आवश्यक पोषक तत्वों की पूर्ति न कर पाने के कारण बेहतर उत्पादन हासिल नहीं कर पाते। इसलिए, उन्हें समय-समय पर अपने खेत की मिट्टी की जांच आवश्यकरतानी चाहिए। यदि मिट्टी में किसी तत्व की कमी हो तो उसकी पूर्ति उर्वरकों के साथ-साथ देसी खादी द्वारा की जानी चाहिए।

उन्होंने कहा कि यह चिंता का विषय है कि विश्व की 33 प्रतिशत मृदा का स्तर अच्छा नहीं है। उन्होंने फसल विधिधिकरण अपनाने व संतुलित ग्रामान्वयिक खाद के प्रयोग पर जोर दिया। रसायनों द्वारा मृदा प्रदूषण के दुष्परिणामों पर जोर दिया एवं मृदा स्वास्थ्य प्रबंधन व संतुलित पोषण प्रबंधन को इसका एक अचूक इलाज बताया। उन्होंने पराली जलाने एवं असंतुलित मृदा पोषण से होने वाले नुकसानों के बारे में भी जागरूक किया। कृषि महाविद्यालय के अधिकारी डॉ. एस.के. याहुजा ने विश्व मृदा दिवस को समाज एवं इसका महत्व समझाते हुए बताया कि यह दिवस थाइलैंड के महाराज भूमिकेल अदूल्यदेवज की जयंती के उपलक्ष्य में मनाया जाता है। राजा अदूल्यदेवज का कृषि क्षेत्र में अभियांत्रियों द्वारा योगदान है।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अजीत सभाभाषण	६. १२. २२	५	३-५

मृदा स्वास्थ्य अत्यंत महत्वपूर्ण, जांच अवश्य करवाएँ : डॉ. जीत राम शर्मा विश्व मृदा दिवस के उपलक्ष्य में 'मृदा : खाद्य उत्पत्ति का स्रोत' विषय पर कार्यक्रम आयोजित

हिसार, ५ दिसंबर (विरेंद्र वर्मा): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में विश्व मृदा स्वास्थ्य दिवस के उपलक्ष्य में 'मृदा: खाद्य उत्पत्ति का स्रोत' विषय पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के अनुसंधान निदेशक डॉ. जीत राम शर्मा मुख्यालिंथ थे। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि फसल उत्पादन के लिए स्वस्थ मृदा का होना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि किसान कई बार अपने खेतों में पौधों में आवश्यक पोषक तत्वों की पूर्ति न कर पाने के कारण बेहतर उत्पादन हासिल नहीं कर पाते। इसलिए उन्हें समय-समय पर अपने खेत की मिट्टी की जांच अवश्य करवानी चाहिए। यदि मिट्टी में

किसी तत्व की कमी हो तो उसकी पूर्ति उर्वरकों के साथ-साथ देसी खाद्यों द्वारा की जानी चाहिए। उन्होंने कहा यह वित्त का विषय है कि विश्व की 33 प्रतिशत मृदा का स्तर अच्छा नहीं है। उन्होंने फसल विविधिकरण अपनाने व संतुलित रासायनिक खाद के प्रयोग पर जोर दिया। रासायनिक द्वारा मृदा प्रदूषण के दुष्परिणामों पर जोर दिया एवं मृदा स्वास्थ्य प्रबंधन व संतुलित पोषण प्रबंधन को इसका एक अचुक इलाज बताया। उन्होंने किसानों को संबोधित करते हुए पराली जलाने एवं असंतुलित मृदा पोषण से होने वाले नुकसानों के बारे में जागरूक किया। कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एस.के. पाहुजा ने विश्व मृदा दिवस को सराहा एवं इसका महत्व समझाते हुए बताया

कि यह दिवस थाइलैंड के महाराज भूमिकोल अद्यत्यरेज की जयंती के उपलक्ष्य में मनाया जाता है। राजा अद्यत्यरेज का कृषि क्षेत्र में अभिन्न योगदान है। मृदा विज्ञान विभाग के अध्यक्ष डॉ. मनोज शर्मा ने सभी का स्वागत किया एवं सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी, प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान के संयुक्त निदेशक डॉ. अशोक गोदारा ने धन्यवाद प्रस्ताव जापित किया। भंच का संचालन डॉ. एस.के. शर्मा ने किया। विश्व मृदा दिवस के उपलक्ष्य में वाद-विवाद प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया जिसमें मृदा विज्ञान विभाग की रूपशिखा, कृषानु एवं मुस्कान ने प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त किया। इस अवसर पर मृदा विज्ञान विभाग के वैज्ञानिक व किसान उपस्थित थे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स	05.12.22	----	----

‘मृदा खाद्य उत्पति का स्रोत’ विषय पर कार्यक्रम आयोजित

तिथि मृदा दिवस

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में विश्व मृदा स्वास्थ्य दिवस के उपलक्ष्य में ‘मृदा खाद्य उत्पति का स्रोत’ विषय पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के अनुसंधान निदेशक डॉ. जीत राम शर्मा मुख्य अतिथि थे।

उन्होंने कहा कि फसल उत्पादन के लिए स्वस्थ मृदा का होना अत्यन्त आवश्यक है। उन्होंने कहा कि किसान कई बार अपने खेतों में पौधों में आवश्यक पोषक तत्वों की पूर्ति न कर पाने के कारण बेहतर उत्पादन हासिल नहीं कर पाते। इसलिए उन्हें समय-समय पर अपने खेत की



गुरुव्य अतिथि किसानों एवं वैज्ञानिकों के साथ।

मिट्टी की जांच अवश्य करवानी चाहिए। यदि मिट्टी में किसी तत्व की कमी हो तो उसकी पूर्ति उबरकों के साथ-साथ देसी खाद्य द्वारा की जानी चाहिए। उन्होंने कहा यह चिंता का विषय है कि विश्व की 33 प्रतिशत मृदा का स्तर अच्छा नहीं है।

कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एस.के. पाहुजा ने विश्व मृदा दिवस को सराहा एवं इसका महत्व समझाते हुए बताया कि यह दिवस थाइलैंड के महाराज भूमिकोल अदूल्यदेज की जयंती के उपलक्ष्य में मनाया जाता है। राजा अदूल्यदेज का कृषि क्षेत्र में अभिन्न योगदान है। विश्व मृदा दिवस के उपलक्ष्य में वाद-विवाद प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया जिसमें मृदा विज्ञान विभाग की स्पष्टिक्या, कृषानु एवं मुस्कान ने प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त किया। इस अवसर पर मृदा विज्ञान विभाग के वैज्ञानिक व किसान उपस्थित थे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
समरूप दृष्टिभणा	05.12.22	----	----

विश्व मृदा दिवस के उपलक्ष्य में 'मृदा खाद्य उत्पत्ति का स्रोत' विषय पर कार्यक्रम आयोजित

समस्त हरियाणा न्यूज़

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में विश्व मृदा स्वास्थ्य दिवस के उपलक्ष्य में 'मृदा खाद्य उत्पत्ति का स्रोत' विषय पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के अनुसंधान निदेशक डॉ. जीत राम शर्मा मुख्य अतिथि थे। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि फसल उत्पादन के लिए स्वस्थ मृदा का होना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि किसान कई बार अपने खेतों में पौधों में आवश्यक पोषक तत्वों की पूर्ति न कर पाने के कारण बेहतर उत्पादन दूसिल नहीं कर पाते। इसलिए उन्हें समय-समय पर अपने खेत की भिट्ठी की जांच आवश्यक करवानी चाहिए। यदि भिट्ठी में किसी तत्व की कमी हो तो उसकी पूर्ति उवंरकों के साथ-साथ देसी खाद्यों द्वारा की जानी चाहिए। उन्होंने कहा यह चिंता का विषय है कि विश्व की 33 प्रतिशत मृदा का स्तर अच्छा नहीं है। ग्रासायनों द्वारा मृदा प्रदूषण के दुष्परिणामों पर जोर दिया एवं मृदा स्वास्थ्य प्रबंधन व संतुलित पोषण प्रबंधन को इसका एक अनुकूल इलाज बताया। उन्होंने किसानों को संबोधित करते हुए पराली जलाने एवं असंतुलित मृदा पोषण से होने वाले नुकसानों के बारे में जागरूक किया। कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एस.के. पाहुजा ने विश्व मृदा दिवस को सराहा एवं इसका महत्व समझाते हुए



बताया कि यह दिवस थाइलैंड के महाराज भूमिकोल अदूल्यदेवज की जयंती के उपलक्ष्य में मनाया जाता है। मृदा विज्ञान विभाग के अध्यक्ष डॉ. मनोज शर्मा ने सभी का स्वागत किया एवं सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी, प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान के संयुक्त निदेशक डॉ. अशोक गोदारा ने धन्यवाद प्रस्ताव जापित किया। मंच का संचालन डॉ. एस.के. शर्मा ने किया। विश्व मृदा दिवस के उपलक्ष्य में बाद-विवाद प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया जिसमें मृदा विज्ञान विभाग की रूपरेखा, कृषि एवं मुस्कान ने प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त किया। इस अवसर पर मृदा विज्ञान विभाग के वैज्ञानिक व किसान उपस्थित थे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अजीट संज्ञान/२	६.१२.२२	५	६

एचएस के गृह विज्ञान महाविद्यालय में फैवीक्रिल ट्रेनिंग का समाप्ति

हिसार, ५ दिसंबर (विरेंद्र बर्मा): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के इदिग चक्रवर्ती गृह विज्ञान महाविद्यालय की छात्राओं के लिए फैवीक्रिल की तीन दिवसीय ट्रेनिंग आयोजित की गई जिसमें प्रथम, द्वितीय व तृतीय वर्ष की छात्राएँ शामिल थीं। यह कार्यक्रम महाविद्यालय की अधिकारिता एवं परिवारिक संसाधन प्रबंधन विभाग की अध्यक्ष डॉ. मंजु महता की देखरेख में आयोजित किया गया। उन्होंने कहा कि ट्रेनिंग कराने का मुख्य उद्देश्य छात्राओं को पढ़ाई के अलावा प्रैक्टिकल तौर पर शिक्षा देना भी है। इसी मंतव्य से खेल विधि के साथ पढ़ाई को रोचक बनाने के लिए इस तरह की गतिविधियों का आयोजन किया जाता है, ताकि विद्यार्थियों में शुक्रआती दौर से ही प्रैक्टिकल शिक्षा प्राप्त करने की क्षमता बढ़ाव दे सके। ट्रेनिंग में 30 से अधिक छात्राओं ने भाग लिया।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
भैनक मरम्भ	६.१२.२२	२	१-५

कार्यक्रम • एचएयू के गृह विज्ञान महाविद्यालय में फेवीक्रिल ट्रेनिंग का हुआ समापन ग्लास पेंटिंग, बले आर्ट बनाकर छात्राओं ने दिया प्रकृति को बचाने का संदेश, पौधे लगाने की अपील

सिटी रिपोर्टर • चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के इदिरा चक्रवर्ती गृह विज्ञान महाविद्यालय की छात्राओं के लिए फेवीक्रिल की तीन दिवसीय ट्रेनिंग आयोजित की गई जिसमें प्रथम, द्वितीय व तृतीय वर्ष की छात्राएं शामिल थीं। छात्राओं ने ग्लास पेंटिंग, बले आर्ट बनाकर पृथक्को बचाने का संदेश दिया।

यह कार्यक्रम महाविद्यालय की अधिकारियों एवं परिवारिक संसाधन प्रबंधन विभाग की अध्यक्ष डॉ. मंजु मेहता की देख-रेख में आयोजित किया गया। उन्होंने कहा कि ट्रेनिंग कराने का मुख्य उद्देश्य छात्राओं को पढ़ाई के अलावा प्रैक्टिकल तौर पर शिक्षा देना भी है। इसी मतभ्य से खेल

विधि के साथ पढ़ाइ को रोचक बनाने के लिए इस तरह की गतिविधियों का आयोजन किया जाता है, ताकि विद्यार्थियों में शुरुआती दौर से ही प्रैक्टिकल शिक्षा ग्रहण करने की क्षमता बेहतर हो सके।

फेवीक्रिल पौडी लाइट इंडस्ट्री की अध्यायिका सुपन ने ट्रेनिंग के दौरान ग्लास पेंटिंग, बले आर्ट बच्चों को सिखाया। छात्राओं ने आर्ट बनाकर पृथक्को बचाने का संदेश दिया। पर्यावरण सुरक्षित रखने के लिए अधिक से अधिक पौधे लगाने की भी अपील की। सुपन ने बताया कि अपने हाथों से जब विद्यार्थी किसी वस्तु को तैयार करते हैं तो उनको प्रकृति की समझ बेहतर तौर पर हो जाती है।





चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
‘अभूतजाति।	६.१२.२२	५	३-४

छात्राओं को ग्लास पेंटिंग, ब्लै आर्ट सिखाया



हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (एचएयू) के इंदिरा चक्रवर्ती गृह विज्ञान महाविद्यालय की छात्राओं के लिए फेब्रुअरी की सीन दिवसीय ट्रेनिंग अवधोक्ति की गई। अध्यापिका सुबन ने ग्लास पेंटिंग, ब्लै आर्ट छात्राओं को सिखाया। कार्यक्रम महाविद्यालय की अधिष्ठाता पंच पारिवारिक नेमाघन प्रबोधन विभाग की अध्यक्ष डॉ. मंजु महता की देखरेख में हुआ। ट्रेनिंग में 30 से अधिक छात्राओं ने भाग लिया। द्यूरे



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सैप्टेंबर पल्स	05.12.22	-----	-----

एचएयू के गृह विज्ञान महाविद्यालय में फेवीक्रिल ट्रेनिंग का हुआ समापन



डॉ. मंजु महता के साथ छात्राएं

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के इंदिरा चक्रवर्ती गृह विज्ञान महाविद्यालय की छात्राओं के लिए फेवीक्रिल की तीन दिवसीय ट्रेनिंग आयोजित की गई जिसमें प्रथम, द्वितीय व तृतीय वर्ष की छात्राएं शामिल थीं। यह कार्यक्रम महाविद्यालय की अधिष्ठाता एवं परिवारिक संसाधन प्रबंधन विभाग की अध्यक्ष डॉ. मंजु महता की देखरेख में आयोजित किया गया। उन्होंने कहा कि ट्रेनिंग कराने का मुख्य उद्देश्य छात्राओं को पढ़ाई के अलावा प्रैक्टिकल तौर पर शिक्षा देना भी है। इसी मंतव्य से खेल विधि के साथ पढ़ाई को रोचक बनाने के लिए इस तरह की गतिविधियों का आयोजन किया जाता है, ताकि विद्यार्थियों में शुरुआती दौर से ही प्रैक्टिकल शिक्षा ग्रहण करने की क्षमता बेहतर हो सके। ट्रेनिंग में 30 से अधिक छात्राओं ने भाग लिया। अध्यापिका सुमन ने ट्रेनिंग के दौरान प्लास पेटिंग, कले आट बच्चों को सिखाया। उन्होंने बताया कि अपने हाथों से जब विद्यार्थी किसी वस्तु को तैयार करते हैं तो उनको प्रकृति की समझ बेहतर तौर पर हो जाती है।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
समस्त हरियाणा	05.12.22	----	-----

एचएयू के गृह विज्ञान महाविद्यालय में फेवीक्रिल ट्रेनिंग का हुआ समापन

हिसार (समस्त हरियाणा न्यूज)। चौधरी चरण सिंह



हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के ईंदिरा चक्रवर्ती गृह विज्ञान महाविद्यालय की छात्राओं के लिए फेवीक्रिल की तीन दिवसीय ट्रेनिंग आयोजित की गई जिसमें प्रथम, द्वितीय व तृतीय वर्ष की छात्राएं शामिल थीं। यह कार्यक्रम महाविद्यालय की अधिष्ठाता एवं परिवारिक संसाधन प्रबंधन विभाग की अध्यक्ष डॉ. मंजु महता की देखरेख में आयोजित किया गया। उन्होंने कहा कि ट्रेनिंग कराने का मुख्य उद्देश्य छात्राओं को पढ़ाई के अलावा प्रैक्टिकल तौर पर शिक्षा देना भी है। इसी मंतव्य से खेल विधि के साथ पढ़ाई को रोचक बनाने के लिए इस तरह की गतिविधियों का आयोजन किया जाता है, ताकि विद्यार्थियों में शुरुआती दौर से ही प्रैक्टिकल शिक्षा ग्रहण करने की क्षमता बेहतर हो सके। ट्रेनिंग में 30 से अधिक छात्राओं ने भाग लिया। फेवीक्रिल पीडी लाइट इंडस्ट्री की अध्यापिका सुमन ने ट्रेनिंग के दौरान ग्लास पैटिंग, ब्ल्स आर्ट बच्चों को सिखाया। उन्होंने बताया कि अपने हाथों से जब विद्यार्थी किसी वस्तु को तैयार करते हैं तो उनको प्रकृति की समझ बेहतर तौर पर हो जाती है।